

अष्टाविंशतिवर्षा



२१ श्री कण्ठाचन

अष्टाविंशतिवर्षाचन

सुं मखनिवसियाइकां ॥ निवस ॥ द्वादशीं गन्या सरुहावकायवर्तिष्टक २२॥
 ॥ ॐ तिद्वादशीं गन्यास ॥ ॥ ॐ अं सर्वज्ञा गायद्रुदयाय नमः ॥ ॐ अं
 अमृतमामालनीति किं निवसस्वाहा ॥ ॐ अं अथ दधिदनि अनादिवाध नि
 स्वायवाप्रद ॥ ॐ अं वजनीवदधवायसू मन्त्रकववायदं ॥ ॐ अं तावानित्य
 अलूफनकिं १ सरुप्रतडा वि कनययायवाप्रद ॥ ॐ अं नमः सुर्या अमन्त्र ग
 किं नितीद्रमहायायुयताक्रायसरुप्राकायदं रुद्र ॥ ॐ निवर्तं गन्यासमहाशे
 ववरुहावकायवर्तिष्टक २२॥ ॐ तिष्ठं गन्यास ॥
 नत ॥ निन्यासमालरुत ॥ ॐ अनतादिन्ये निखायायाइकां ॥ मिलखास ॥

ॐ अथयसन्धे उच्च निवामालायायाइकां ॥ यमाचल ॥ ॐ अं निवर्तये पूर्वनिवा
 मालायायाइकां ॥ रुद्रन ॥ ॐ अं यतिष्ठायै दक्षिण निवामावायायाइकां ॥
 अवसिन्ध ॥ ॐ अं विद्याये उरुव निवामालायायाइकां ॥ खवसिन्ध ॥ ॐ अं
 नाक्षेययि मनिवामालायाया ॥ निवर्त ॥ ॐ अं चामायेरुतीयनययाइकां ॥
 सिखायान ॥ ॐ अं धियदन्त्येनयययाइकां ॥ मिखायान ॥ ॐ अं नावा
 यन्ये कर्तुं दययाइकां ॥ द्रसयागनया ॥ ॐ अं माहन्त्ये दक्षिण कर्तुं रुद्र
 लायाइकां ॥ अवक्रसना ॥ ॐ अं यज्ञायै वाम कर्तुं रुद्र लायाइकां ॥ खव
 क्रसना ॥ ॐ अं उक्तगहोनामायूठदययाइकां ॥ द्वासचनया ॥ ॐ अं वः

वज्रिण्येवक्याइका॥स्वालस ॥वेअकैकठयेइहादययाइका॥धठवा ॥
वेअसंकालिकायेइइदगनेयकोयाइका॥थंथूवा ॥वेअगंनिवायेअक्षद
गनयकोयाइका॥काथूवा ॥वेअयंघामायेइइसुयाइका॥थंथूकूथूसि ॥
वेअहंविनायेअक्षसुयाइका॥काथूकूथूसि ॥वेअरूमायादयेजिह्वायाय
इका॥मया ॥वेअअंवागयर्थेवायायाइका॥कूथूस ॥वेअहंनिखिवा
हनेकलयाइका॥कथूस ॥वेअरुंहीमलेदकिगवाइनिखवयाइका॥ज
ववाहाठ ॥वेअयंवायवगयेवामवाइनिखवयाइका॥खववाहाठ ॥वे
अहंलामायेदकिगवाइदलुयाइका॥जववाहाका ॥वेअहंविनाययेवाम

वाइदलुयाइका॥खववाहाका ॥वेअहंघुलुमायेकवठदययाइका॥ज
वववइइला ॥वेअसंसंकाविण्येदकिगहसकलंगुलिमयाइका॥जवयं
वदि ॥वेअअंइइदयेवामहसकलंगुलिमयाइका॥खवयंवागुलि ॥वे
अवंदीयीलेपुलदलुदकिगहसयाइका॥जववूला ॥वेअयंजयकिजि
पूलायदकिगहसयाइका॥जवलाहाठ ॥वेअहंकापालिन्येकयालवाम
हसयाइका॥खवलाहाठ ॥वेअयंयावनेइदिमध्याइका॥लूवठस
॥वेअहंअमिकायेयागधाययाइका॥लूइका ॥वेअसंसंवात्मनदकिगयाः
लुयाइका॥लूइजवस ॥वेअअंरूकगसेवामयालुयाइका॥लूइखवस

ॐ अं कं छं गं लो दं किं णं कं नो या इ कां ॥ जव इ इ स ॥ ॐ अं लं यं टं नां ये वा मं स्त
 नो या इ कां ॥ ख व इ इ स ॥ ॐ अं अं आं मां थं यं दं थं या इ कां ॥ नं गं लं यां जं वं ख
 वं स ॥ ॐ अं अं लं वां दं थं डं दं वं या इ कां ॥ थं गं स ॥ ॐ अं कं संहं विं लो नां रि
 मं क्षं या इ कां ॥ नां रि स ॥ ॐ अं मं मं हां कां लो निं गं मं थं या इ कां ॥ थं नं स ॥ ॐ अं सं
 कं सुं मां यं क्षं थं थं थं या इ कां ॥ लिं गं स ॥ ॐ अं अं थं कां दें थं थं थं थं या इ कां ॥ वी
 जं स ॥ ॐ अं गं तां वां दं थं थं या इ कां ॥ खं लं यां जं वं खं वं ॥ ॐ अं दं ह्नां नां थं दं कि
 णं जां नो या इ कां ॥ जं वं थं ॐ स ॥ ॐ अं वं किं यां थं वां मं जां नो या इ कां ॥ खं वं थं ॐ स
 ॥ ॐ अं उं गां यं थं दं किं णं जं धां यां या इ कां ॥ जं वं खं लं स ॥ ॐ अं उं गां विं थं

वां मं जं धां यां या इ कां ॥ खं वं खं लं स ॥ ॐ अं दं दं ह्नां थं दं किं णं यां दं या इ कां ॥
 जं वं थं ॐ स ॥ ॐ अं कं कं कां विं थं वां मं यां दं या इ कां ॥ खं वं थं ॐ स ॥ ॐ अं कं मां
 लं नीं न्यां सां यं दं वं लिं गं दं २ खां हा ॥ थं नं वं लिं गं ॥ ॐ तिं मां लं नीं न्यां स ॥
 ॐ अं नं डं दं दं यां यं नं मं ॥ नं वं थं स ॥ ॐ अं नं डं दं जां निं वं सं खां हा ॥ थं सां यं लं स ॥
 ॐ अं नं डं लिं थं थं थं थं ॥ मिं लं थं स ॥ ॐ अं नं डं कं वं थं थं ॥ थं हां ॥ ॐ अं नं
 डं नं थं थं थं थं ॥ मिं थं स ॥ ॐ अं नं डं थं थं थं थं ॥ ॐ अं नं मां लं निं रुं दं
 थं कां थं थं थं थं ॥ ॐ तिं मां लं नीं थं थं गं न्यां स ॥
 थं थं थं थं थं थं थं ॥ ॐ अं अं थं थं कं लं लं थं थं थं थं ॥ कं थं

लदधस ॥ जं अं अननकमलवकुयाइकां ॥ खालस ॥ जं अं सूर्यसदः
दिगमनययाइकां ॥ जवमिखा ॥ जं अं विष्णुवामनययाइकां ॥ खवमिखास ॥
जं अं उं अमबीसदकिगकल्लुयाइकां ॥ जवक्रस ॥ जं अं उं अर्थिसवामकल्लुय
इकां ॥ खवक्रस ॥ जं अं संतिथिसदकिगनागायटदययाइकां ॥ जवक्रसय ॥
जं अं सं रावरुतिसवामनागायटदययाइकां ॥ खवक्रसय ॥ जं अं सं नूद
किगमनययाइकां ॥ जववर्क ॥ जं अं सं हववाममनययाइकां ॥ खववर्क ॥ जं अं
जं अं सं वीसअधगनयकोयाइकां ॥ काथवा ॥ जं अं उं रुगीगडुर्दगनय
कोयाइकां ॥ थंथवा ॥ जं अं उं सयाजानअधकयाइकां ॥ काथसि ॥ जं अं उं अ

नयहोसुधोसयाइकां ॥ थंथसि ॥ जं अं अं वसुमालमधयाइकां ॥ थंकास
॥ जं अं अं महासनजिजायायाइकां ॥ मवा ॥ जं अं कं काधदकिगकल्लुयाइकां ॥
जवलदक ॥ जं अं उं उदकिगवाइयलुयाइकां ॥ जववाहाउस ॥ जं अं गं यवउ
दकिगरुसुमनिर्वधयाइकां ॥ जववला ॥ जं अं यं निवदकिगरुसुयाइकां ॥
जवकोय ॥ जं अं उं पकवडदकिगरुसुकलागुलोयाइकां ॥ जवअंगुलि ॥ जं अं
यं कर्मवामसुधयाइकां ॥ खवलंदरस ॥ जं अं उं पकनयवाइयलुयाइकां ॥
खववाहाउस ॥ जं अं उं यवमखवामहसुमनिर्वधयाइकां ॥ खववलास ॥ जं
अं अं अं सवामहसुयाइकां ॥ खवकाव ॥ जं अं उं गमगवामहसुकलागुलिः

मयाइका ॥ खवमंयुलि ॥ जिअं सामंयदकिणसिद्धिधयाइका ॥ जवयाका ॥ जि
 अं लींयुलिसदकिणववाठयाइका ॥ जवकाजलथा ॥ जिअं दावकदकिण
 जानीयाइका ॥ जवयू ॥ जिअं अर्धनाबीगदकिणजयायायाइका ॥ जवख ॥
 जिअं डमाकान्नदकिणयादयाइका ॥ जवया ॥ जिअं अंमिषाधिसवामहिक्की
 याइका ॥ खवयाका ॥ जिअं धंयुलिसवामाववाठयाइका ॥ खवकाजलथा ॥ जिअं
 दंमिषाजानीयाइका ॥ खवयू ॥ जिअं अं अर्धनाबीसवामडीयायायाइका
 खवख ॥ जिअं नंमयवामयादयाइका ॥ खवया ॥ जिअं यंलारितदकिणयाध
 याइका ॥ जवयनथा ॥ जिअं हंमिषाधिसवामयाधयाइका ॥ खवयनथा ॥ जिअं

कगललुहृद्वीसयाइका ॥ तिलकथा ॥ जिअं रुदीवठुनारिमधयाइका ॥
 नारिम ॥ जिअं मंमहाकालददयमधयाइका ॥ लंयुस ॥ जिअं यंवालिसवय
 मधयाइका ॥ सतलिंगाय ॥ जिअं वंजुजंगवकयाइका ॥ हलींगमूलस ॥ जिअं
 लंयिनाकीसमासयाइका ॥ लानारितल ॥ जिअं वंखजाननस्त्यायूमधयाइका ॥
 समर्क ॥ जिअं गंयकातनदशुक्तिमधयाइका ॥ माउकाग ॥ जिअं वंमतानन्दः
 मर्जनीयाइका ॥ दाकयुठमूल ॥ जिअं रुठुठुकायाइका ॥ वीजलिंगवास ॥ जिअं
 हंलिंगलीगयाणधवयाइका ॥ यागददयस ॥ जिअं रुठुठुकाधयादय
 दयकिमधयाइका ॥ सरुठ ॥ जिअं गंयानिन्यासायवलिठुठुश्वारा ॥ धन

बलि ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ निजहसजसनाहदयायनम

[illegible]

ॐ ज कालिका लीम हा काली मां सः ॥ नित आज नी जां जां जां व क क
क मूखा देवी मा मा म् ॥ अ नु न य व ॥ श्री ह द य दू ती ह द य या इ कां ॥ लं व उ
स ॥ नम मा रु ग व ति श ह व ति नी हू नू वि व मां स रु द णी क या ल ख द्वां ग धा व

[illegible]

लिङ्ग २ स्वर ॥ ॐ द्याकिनिद्वर्गध्वजकुरुगयमयिनादिकासर्वइष्टवि
 नामायवदन्ममद्विना ॥ ॐ तिस्रष्टुद्विनिनास ॥ ॐ अवागीश्वरी नृ
 बल्लगगनलाकशागगर्गमिनीगगललाकअमृतसंवाविणीगगननन्द
 वगगमवाचकु ४ घष्ठिद्वककाटिसिद्धिचकु ४ घष्ठिलककाटियागिनीयाइकां ॥
 मूर्द्धि ॥ ॐ अमायाथल्लनल्लमर्ललाकशागगर्गमिनीमर्ललाकअमृतसंवा
 विणीमर्लनन्दवमर्लवावनीमलककाटिसिद्धिचनीमलककाटियागि
 नीयाइकां ॥ ललाटस ॥ ॐ अमर्हिणीमूयवनलाकशागगर्गमिनीघव
 नलाकअमृतसंवाविणीयवनानन्ददवघवनामवाध ३ गवककाटिसिद्ध

आठलकाटिलकयागिनीयाइकां ॥ द्वाद ॥ ॐ अज्ञानायन्ननल्लमर्ललाकशा
 गगर्गमिनीमर्ललाकअमृतसंवाविणीमर्लनन्दवमर्लवावनीमलककाटिसिद्ध
 अमृतलककाटियागिनीयाइकां ॥ नाली ॥ ॐ अङ्गीगयथीनूवल्लः
 नागलाकशागगर्गमिनीनागलाकअमृतसंवाविणीनागनन्ददवनागव
 वल्लविलककाटिसिद्धवल्लविलककाटियागिनीयाइकां ॥ ४५ ॥ ॐ मूवल्ल
 नूदनीलअनकलाकशागगर्गमिनीअनकलाकअमृतसंवाविणीअन
 कानन्ददवअनकाम्वाअनकलककाटिसिद्धअनकलककाटियागिनीयाइ
 कां ॥ निवस्तन ॥ वलिङ्ग २ स्वर ॥ ॐ निवलययकन्यास ॥ ॥

पूर्वकितवात्मान्यासः॥ भा० मनवान्मय ॥ अथावास्तुमकुण्डलश्रुतिआ
 लमृजां धार्यति ॥ मनु ॥ गगनन्ददवप्रविलासादवीचाकुलमृदहासास्वर्यया
 इकां ॥ जे० गगनमूकानन्ददवप्रीणागमनादवीप्रीमहनामादवीमृदहासा
 स्वर्ययाइकां ॥ जे० बीजनन्ददवस्मनामादवीचाकुलमृदहासास्वर्ययाइ
 कां ॥ जे० सहानन्ददवगणनामादवीचाकुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ जे० आ
 नन्ददवचाकुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ जे० सहजानन्ददवचाकुलमृदहा
 सास्वर्ययाइकां ॥ जे० टीकानन्ददवचाकुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ जे० धनस
 नन्ददवचाकुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ जे० दवानन्ददवचाकुलमृदहा

सास्वर्ययाइकां ॥ जे० यवगनन्ददवचाकुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ जे०
 यवजानन्ददवचाकुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ जे० अथरासानन्ददवचा
 कुलमृदहासास्वर्ययाइकां ॥ ॥ नृतिगुणप्रदिआत्मधूजा ॥ ॥
 जे० अथावजमायवन्दविमलप्रीमृवक्रायणीविश्वमाइकां ॥ यव ॥ कं महा
 म्वनी ॥ चं कामात्री ॥ टं वेम्वी ॥ तं वानाही ॥ यं नृदायणी ॥ यं वामुला ॥ सं महा
 लम्बी ॥ जे० ॐ ॐ ॐ याइकां ॥ ॥ आवाहनादिचन्दनादुत्तमपूर्यतिमः॥
 ततायंम ॐ ॐ ॐ डाकावथन ॥ जे० कावलयममृडा ॥ जे० धनमृडा ॥
 प्रीरुपमृडा ॥ ॐ ॐ ॐ यानिमृडा ॥ ॐ महामृडा ॥ नृतिर्यवमृडा ॥ ॥

अथाइकां ॥ अवल्लाहंत ॥ वैजं वरुणीषां वामरु अथाइकां ॥ खवला
हान ॥ वैजं वरुणीषां वमनायदकिं गयादां गुलिमूयाइकां ॥ अवया
० या अं गुलि ॥ वैजं वरुणीषां वमनायदकिं गयादां गुलिमूयाइ
कां ॥ खवया ० या अं गुलि ॥ वंदवलिं गुक्र २ स्वाहा ॥ वृत्तिविवाहिकां न्यास
४ ॥ ॥ वैजं नमो गवति वृद्धाय यं यादां गुक्रयायाइकां ॥ का ० ॥ वैजं नम
प्रमू अं यं याद गलयाइकां ॥ या ० तल ॥ वैजं नमो कागमाह ० यं याद दय
याइकां ॥ या ० ॥ वैजं नम ० सर्वकामार्थसाधकानां यं गुक्र दययाइकां ॥ गुं ० ॥
२ ॥ वैजं नमो वामनी ० यं या ० याइकां ॥ खल ॥ वैजं सर्वशक्तिह गतिना

० जानोयाइकां ॥ यू ० ॥ वैजं वरुणीषां वमनायदकिं गयादां गुलिमूयाइ
कां ॥ काजल अं यथय ॥ वैजं सर्वसखवणीकव ० कदनां नमूलनसमस्तक
मयि वलिनीं या नोयाइकां ॥ यम अं यथय ॥ वैजं सर्वमाह ० यं याद दयय
मसिद्धं नारु वमायाइकां ॥ नारिछाव ॥ वैजं यमकम कदनां कवर्स
सिद्धि कवं यं याइकां ॥ मार्ग ॥ वैजं माह ० वचनं गुक्रं लिं गयाइ
कां ॥ लिं गस ॥ वृद्ध रं गुक्र दययाइकां ॥ वृत्तिविवाहिकां न्यास
४ ॥ ॥ वैजं नमो वामनी ० यं या ० याइकां ॥ खल ॥ वैजं सर्वशक्तिह गतिना
नगलस ॥ वैजं नमो वामनी ० यं या ० याइकां ॥ क ० स ॥

ॐ अमृताम्रमाद्यवदविमलप्रीकामादीविश्वयाइकां ॥ अर्थकाम ॥ ॐ अमृ
थावम्रमाद्यवदविमलप्रीवेकवीविश्वयाइकां ॥ स्वात्म ॥ ॐ अमृथावः
म्रमाद्यवदविमलविश्वप्रीवावाहाविश्वनालिकाप्रयाइकां ॥ कामदधू ॥
ॐ अमृथावम्रमाद्यवदविमलविश्वप्रीरूढ्यायली ॥ लुथायाइकां ॥ हाता
लस ॥ ॐ अमृथावम्रमाद्यवदविमलप्रीग्रामलुविश्वविन्दस्कनयाइ
कां ॥ कामस ॥ ॐ अमृथावम्रमाद्यवदविमलप्रीमहालक्षविश्वनिवा
विश्वनयाइकां ॥ वसायालस ॥ माहुरवृत्तुरुहावकायवर्तिष्टक २ साहा ॥
रूतिमाहुरवृत्तयास ॥ ॥ ॐ जनमश्मलुयथंललाठया

इकां ॥ ललाठस ॥ ॐ अड्डकणीडं कणायाइकां ॥ सावास ॥ ॐ अकलिनः
निखडं निखायायाइकां ॥ मिलखास ॥ ॐ अविश्वजिह्वडं जिह्वायायाइकां ॥ म
वास ॥ ॐ अमालकाकिडं नयथायाइकां ॥ मिखा ॥ २ ॥ ॐ अर्थिगलवृवडं वृमध
याइकां ॥ मिह ॥ ॐ अविह्वतिडं वृवडं वृवायायाइकां ॥ धलवा ॥ ॐ अकृदं २ डं
डावृथायाइकां ॥ अर्थथू ॥ ॐ अमसिगलिनमृवावसप्रियडं जिह्वाया
याइकां ॥ म ॥ ॐ अहस २ गां गालमध्यायाइकां ॥ धाक ॥ ॐ अहस २ डं वा
कृदयायाइकां ॥ वाहाल २ ॥ ॐ अविश्व २ डं क ० ग्रंथियाइकां ॥ काथू ॥ ॐ अ
मायावलाकृवृयमहप्रयनिवरुनीनडि कर्तुवृथयाइकां ॥ कथूकी ॥

॥ललाटस॥ जे अं कंक याइ कां ॥ कंधस ॥ जे अं ड मुख याइ कां ॥ स्वातस ॥
जे अं गुं याइ कां ॥ लिंगस ॥ जे अं उ या द द या याइ कां ॥ या ८ ॥ वीजयं व
न्या माय वलिं ट २ खाहा ॥ वृत्ति वाजयं व क न्यास ४ ॥ ॥ जे अं कं
हं हं महं नात्रिका ये जां न कला धि सां सां हूं मूं विउद सा किनी ये य कः
तियुं विख प्रीण न न्य द व याइ कां ॥ कंधा ॥ जे अं वूं या व अ या व अ या वाम
खी व रु नू या ये ड मं मदा धि कां कां कूं कूं अनाह ॥ म का कि नी य गुं य वृ
वि न्ना न न्य द व याइ कां ॥ हृदि ॥ जे अं वूं जां जां हूं व र्व व सिख हूं मूं व लुं धि
लां ली लूं लूं म न्नि य व क ला कि नी ये ॥ महा ह वा म ली न न न्य द व याइ

कां ॥ नाशो ॥ जे अं कं क वि का ये क ल द या ये जां मूं या द धि वां वां वूं मूं स्वा धि कूं
न ला कि नी धी वृ वूं अ न ट हा ॥ न न्य द व याइ कां ॥ लिंग ॥ जे अं न वूं मा रु न
व नि रु क म ला ये जां नूं व ना धि जां जां हूं मूं आ धा व अ कि नी य म न यूं वी मि
जा न न्य द व याइ कां ॥ गुं ॥ जे अं कि नि २ वूं वि व २ कां क ना ये ड ४ नूं ग ला धि हां
हं हूं मूं आ ह हा कि नी य य य वि प्री अ ॥ ख लुि न न न्य द व याइ कां ॥ ल ला
ट ॥ वूं द व लिं ट २ खा हा ॥ वृत्ति दा दि म ह न्यास ४ ॥ ॥ ग ता गु व य
कि यूं जा ॥ जे अं हूं म हा का ला ये याइ कां ॥ जे अं कां कां हूं क ४ क य या ला ये या इ
कां ॥ जे अं य मा स ना ये याइ कां ॥ जे अं य त व लुं धि रु जा ३ द कि १० ज य मा लि कां

वामरुक्मिणीकायार्थः कचकीयविधावर्णः ॥ निवदयविहस्यधः ॥ सुककर्ति
 नभवव ॥ यद्रासिनस्तिर्गदव ॥ वक्रदलधवर्गथा ॥ सर्वप्रयतिमवर्ति ॥ गीतो
 मिगगलधवर् ॥ ॥ स्वतवर्षुपूर्ववर्तुसालकालं ॥ २ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववः
 तसालकालं ॥ ३ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसालकालं ॥ ४ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसाल
 कालं ॥ ५ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसालकालं ॥ ६ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसाल
 कालं ॥ ७ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसालकालं ॥ ८ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसाल
 कालं ॥ ९ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसालकालं ॥ १० ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसाल
 कालं ॥ ११ ॥ अत्रकवर्षुपूर्ववर्तुसालकालं ॥ १२ ॥ गगलानन्ददवद्यादिदोदगं उदयकि

रुद्रावकायध्यानयर्थ्याइकां ॥ ततः पूजनं ॥ त्रिगगलानन्दप्रविकाम्नाद
 वीचाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ १ ॥ त्रिजगत्सकामानन्ददवरुगाम्नामहन
 स्वदवीचाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ २ ॥ त्रिजगत्सकामानन्ददवस्मैवास्त्रादवी
 चाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ ३ ॥ त्रिजगत्सकामानन्ददवचाकुलश्रद्धासास्त्र
 ययाइकां ॥ ४ ॥ त्रिजगत्सकामानन्ददवचाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ ५ ॥ आन
 न्ददवचाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ ६ ॥ गीकानन्ददवचाकुलश्रद्धासा
 स्त्रययाइकां ॥ ७ ॥ त्रिजगत्सकामानन्ददवचाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ ८ ॥
 त्रिजगत्सकामानन्ददवचाकुलश्रद्धासास्त्रययाइकां ॥ ९ ॥ त्रिजगत्सकामानन्ददव

वाहुलज्जहहासास्वयंयाइकां ॥१०॥ ॐ जयवज्रानन्ददववाहुलज्जहहासास्वयं
 याइकां ॥११॥ ॐ जयप्रज्ञानन्ददववाहुलज्जहहासास्वयंयाइकां ॥१२॥ ॐ ह्रीं
 श्रीगुरुयकिरुहाविकायेवर्लिष्टद्र २ खहा ॥ आवाहमादिचन्दनाकनयय्यु
 संपूज्य धनमूर्त्तिदण्डयत ॥ ॐ नित्यगुरुयकिपूजा ॥ ॥ माहनिष्ठं
 थं ॥ गताडाधमिपूजनं ॥ ॐ जयप्राप्ताययाइकां ॥ ध्यान ॥ यथासनसूयासीनं ॥
 गवर्धुखिलावनं ॥ विवकादकि ॥ गवकी ॥ एतपीतन ॥ थारुमं ॥ ॐ जयमहावी
 वा ॥ दधनीयप्रतर्जनी ॥ समग्रविपुलपुल्य ॥ नीलात्यलसमयरा ॥ पाप्रविन्दूक
 न ॥ प्रष्टं ॥ पीनान्नतयथाधवा ॥ डामधीकर्मध्यातया ॥ जीवितं विवजीविनः ॥ ॐ नित्य

नविनय ॥ ॥ गतः पूजनं ॥ ॐ जय ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनआरुनीयाइकां ॥ ॐ जय
 ह्रीं श्रीसर्वजनमाहनीयाइकां ॥ ॐ जय ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनजगन्नीयाइकां ॥ ॐ
 जय ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनरुनीयाइकां ॥ ॐ जय ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनआकर्षणीयाइकां ॥ ॐ जय
 ह्रीं श्रीसर्वजनरुडावनीयाइकां ॥ ॐ जय ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनरुडावनीयाइकां ॥ ॐ जय
 लिष्टद्र २ खहा ॥ आवाहनादिपूज्य ४ संपू ॥ यथानिमूर्त्तिदण्डयत ॥ ॐ नित्य
 डामधीपूजाविधि ॥ ॥ गताकलार्चनं ॥ ॐ जय ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनयाइकां ॥ ॐ जय
 सिंहासनाययाइकां ॥ ध्यान ॥ ह्रीं श्रीसर्वजनदव ॥ हिमकन्दनसंनिर्ह ॥ यकवकी
 दिनप्रय ॥ दिवायुयमहदव ॥ चक्रजमहान्नं ॥ विपुलादीवधवावर्ग ॥ धवा

ककानजालिगं ककालयुष्टुयाजध ॥ दद्याद्विद्वकं धृतराष्ट्रं सदाहस्तमूर्ध
 नर्ण ॥ वामदेवक गतादवी श्यामांगी नवयोवनी ॥ तवाहस्तकवा दवी विन
 यादिवानुयिणी ॥ दिवावर्तांगहस्तांगी दिवावस्तुयवीधवा ॥ पर्वभावामह
 दवी श्रीकल्ययनमन्त्रं ॥ ध्यानपूर्ययाइकां ॥ पूजनं ॥ ॐ जे ध्यानामन्त्र
 गकिरेववानन्दवीनाधियमय मृगी श्रीश्रीकलुनाथायस्वगकि मृग सहिः
 नाययाइकां ॥ ॐ देवलिङ्ग २ मृग स्वाहा ॥ आवाहनादियन्त्रं ॥ नाकन
 यर्थसंयुक्त ॥ धूलयानिमूर्जद ॥ ध्यानाय ॥ ॐ ति श्रीकलुनाथर्वण ॥
 गतामाहकार्वनंगलसहितं ॥ ॐ जे हं सासेनाययाइकां ॥ ध्यान ॥ ॐ जे हं सा

सनक्तिगादवी आगाजिनप्रधवितां ॥ यातवर्षवर्षवर्षाह सवर्लकालरु
 वितां ॥ अकयष्टककवा दक वामववयाजध ॥ अवनपूजयन्त्रं ॥ ॐ न्द्र
 विन्दुप्रसयर्ण ॥ ध्यानपूर्ययाइकां ॥ पूजनं ॥ ॐ जे अद्यावज्जमायववदः
 विमलकां ॥ श्रीज्वलायलेविष्टयाइकां ॥ धनवलि ॥ आवाहनादिय
 ममूर्जद ॥ ध्यानाय ॥ ॐ जे हं सासेनाययाइकां ॥ ध्यान ॥ ॐ जे हं सा
 मस्तकादि चन्द्रोहा विनयासावर्षुजा ॥ अकयष्टककवा दवी वव
 दापूर्ययाजध ॥ कवर्गपूजयदवी दद्यागलसमाहता ॥ चन्द्रविष्टयम
 गल मृदायापूर्ववत्सदा ॥ ध्यानपूर्ययाइकां ॥ पूजनं ॥ ॐ जे अद्यावज्जमा

अथ व्रत विमलकी वा प्रीति माह धनी दया विव्या इकां ॥ कति धनं ॥ श्री
 वाहनादि जिह्म मूर्द्धां दणयत् ॥ ॥ जंमयूना सनायया इकां ॥
 ध्यान ॥ मयूना सनायया ॥ वृद्धा वीला कर्काटिका विना ॥ चतुर्भुजा मयूना
 माला वामना किधवा वना ॥ वनदा वामना कया लच ॥ सर्वलोकालक्षणा
 ॥ चतुर्भुजा यदवी ॥ स्वयं नन्दने रसयुत ॥ दवी कूटन रुमने ॥ पूर्ववत्सव
 कावयत् ॥ ध्यानयथा इकां ॥ पूजन ॥ जंमयूना वमयूना यव व्रत विमल
 की वा प्रीति कामा दवी विव्या इकां ॥ धनं वलि ॥ आवाहनादि जिनि
 लि ॥ श्री मूर्द्धां दणयत् ॥ ॥ जंमयूना सनायया इकां ॥ ध्यान ॥

जंमयूना सनायया वृद्धा ॥ ध्यानयथा इकां ॥ सर्वलोकालक्षणा
 चतुर्भुजा विवाजत ॥ चक्रकोमादकी वाम ॥ वनदा यानया रुभा ॥ चतुर्भुजा
 यदवी ॥ दवी कूटन येवच ॥ पूर्ववत्सव यत दवी ॥ चक्रायथ सिद्धिगा ॥ मा
 रु कूटन मायक ॥ पूर्वमवचकावयत् ॥ वेकधी पूजयथा व ॥ सर्वकामार्थ
 सिद्धिगा ॥ ध्यानया इकां ॥ जंमयूना वमयूना यव व्रत विमलकी वा प्रीति
 दवी दवी विव्या इकां ॥ वलि ॥ आवाहनादि जिनि स्वामूर्द्धां दणयत् ॥ यत् ॥
 ॥ ॥ जंमयूना सनायया इकां ॥ जंमयूना सनायया इकां ॥ जंमयूना सनायया इकां ॥
 गुरुमिना ॥ रुदावमयूना इकां ॥ रुदियत्सव यत् ॥ निमनय विराचाः

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति कलावदना ॥ कुजाष्टमलुभाविनी ॥ दक्ष
 सप्तगदावाहि ॥ कर्हिकायालवामका ॥ ववदावामकायाल ॥ सर्वलिका
 वरुमिता ॥ नवमलुयुष्मन् ॥ लकि कूटतथेवच ॥ मूजादिपूर्ववत्सर्व
 युजितासर्वकामदा ॥ ध्यानयाइका ॥ युजन ॥ जेज अथावजमाथववद
 विमलका ॥ यमप्रीतवावाहीदवीविश्वयाइका ॥ वलि ॥ आवाहनादिकाल
 मूजादंगय ॥ त ॥ ॥ जेज गजामनाययाइका ॥ ध्यान ॥ जेज द्विवद
 मीहितादवी ॥ वामाकवववयरा ॥ किरीणवजववरा ॥ सर्वलिकालव
 मिता ॥ वरुजुजासनिर्दक्ष ॥ वामक ॥ कुजाष्टमलुभाविता ॥ ववदावामकायाल ॥ व

यवमप्रीतमदा ॥ दवीकूटसमरुच ॥ नवाशानुपूर्वगा ॥ सर्वसिद्धिप्र
 दादवी ॥ सर्वयाययमावनी ॥ ध्यानयाइका ॥ जेज अथावजमाथववदवि
 मलका ॥ यमप्रीतवावाहीदवीविश्वयाइका ॥ धनवलि ॥ आवाहनादि
 उक्रमूजा ॥ दंगय ॥ ॥ जेज अथावजमाथयाइका ॥ जेज गजामनाय
 समयखा ॥ जिनयदेवदूयिनी ॥ इति कलावदना ॥ कुजाष्टमलुभावि
 नी ॥ नवमलुयुष्मन् ॥ विभुतामूलवलेकुज ॥ अथादन ॥ मूलुमूलवानीवि
 दिवर्षिका ॥ हायवमयप्रधाना ॥ भयलायल वावका ॥ ववददकधावीव
 उमववदुगमवज ॥ कर्हिकायालमरुच ॥ अतवककयालधा ॥ यिनावव

नवमाला निवाववसूनीयिका ॥ पर्वविधानशामुल ॥ यवर्नयुजयत्सदा ॥
दावादिविजयुर्लुलि माहकूटतथेवच ॥ मूडायापूर्ववदवी नावतव
सुतामिता ॥ अरुहसि दादवी चामुल ॥ सुमालनी ॥ ध्यानयाइका ॥ युज
न ॥ जे ॥ अयाव अमायव वदविमलकी ॥ यो प्रीयं चामुल ॥ दवीविश्वयाइका ॥
॥ धनवलि ॥ आवाहनादिकायमूर्जदग्य ॥ न ॥ ॥ जे ॥ सिंहासना
ययाइका ॥ ध्यान ॥ सिंहकाटिचन्द्राहा ॥ जि नयासाचरुर्कुजा ॥ खमरु
टकधवादवी वनदावामयाजध ॥ गवर्नमर्जल ॥ गय कननवदुर्मजिका
॥ पूर्ववत्सर्वदयानि दापयत्यवमवनी ॥ ध्यानयाइका ॥ जे ॥ अयाव अमायव

वदविमलकी ॥ यो प्रीयं महाल श्रीदवीविश्वयाइका ॥ धनवलि ॥ आवाहः
नादिविन्दुमूर्ज ॥ दग्य ॥ ॥ नितिमाह कायुजन ॥
नग ॥ खरुन्दार्चन ॥ जे ॥ अहं महाकालाययाइका ॥ जे ॥ अहं मासनाययाइका
॥ ध्यान ॥ जे ॥ अहं शुद्धिदिकसंकार्ग चयारुचुनिर्मल ॥ नावागिकवसंकार्ग
हिमका ॥ उन्दसंनिरु ॥ धीयवकुधर्वदिवी ॥ धियवन्नयनादाल ॥ महायाफि
धर्वदिवी ॥ जयहूटन्दमणिता ॥ वत्रममलसंदीर्घ ॥ कर्तुकुलमन्दित ॥
यववर्तुधर्वदिवी ॥ मीषदुहाविवाजने ॥ नायावृण ॥ श्यामधूम ॥ कटाकनीक
लावन ॥ दगवाहमहातंड ॥ नागयल्लायवीतर्क ॥ कयालरुटकीयार्ग ॥ खः

शिवकाच, दिव्यद्रव्यामलादवा, शिविकनयनेयका, मन्दिबानन्दनन्दिता, ॥
 पूर्वता ४१ प्रवर्तुला, हिमकन्दन्दमन्दिरा, दक्षिणदक्षवर्तुश्व, वकमूल
 बभारिर्ग, ॥ यमनवदनमोम्य, किंचितयननिबिन्दर्ग, दिव्यवन्दुसमाकाश
 कर्णकलुलरुषर्ग, ॥ शिष्टलकलिकखेप्र, दक्षिणमविनाजित, ॥ दयर्गर्गठ
 कीकाश, वामरुसधृतायुध, ॥ यमयनासनादूरा, शिवलुयवमध्वनी, दिव्य
 वसुधनीधाना, दिवालीकावहृषिगा, ॥ नानाप्रयवगादवी, नानागंधनमाः
 दिता, ॥ दीपययमहाहागा, माहवकवावहृषिगा, ॥ मध्यगंधशिवलुयव, यवम
 ध्यानमूलम, ॥ मन्त्रागमर्वयाथेय, विप्राविदनागर्ग, ॥ ध्यानयाइका, ॥ जेजन

माहगवतिनूपाथेयं, ॥ दक्षिणमगयाइका, ॥ जेजनमन्त्रामुथेयं याइका, ॥
 जेजनमन्त्राकागमाहगगाथेयं याइका, ॥ जेजनमन्त्रसर्वकामार्थसाधकाथेयं या
 इका, ॥ जेजज्जनामनीर्गं याइका, ॥ जेज सर्वजायतिरुतगमीर्गं याइका, ॥
 जेज स्वयययमन्त्रययविहृषिनीनाथं याइका, ॥ जेज सर्वमाहदयययम
 सिद्धियवकर्मकदनकथं याइका, ॥ जेज स्वकर्मसिद्धिकथं याइका, ॥ जेज
 माहर्गवयंयुर्गं याइका, ॥ ॥ तिनूदखलु, ॥ जेजनमन्त्रामुथेयं
 याइका, ॥ जेज उर्ध्वकीर्गं याइका, ॥ जेज कलितसिद्धं याइका, ॥ जेज विद्युक्ति
 थं याइका, ॥ जेज गावकाकिथं याइका, ॥ जेज र्गलवृथं याइका, ॥ जेज विहृष

वाम ॥ जं अं मरुमाया कडिक विविद्याय कं चवी प्रीया इकां ॥ जं अथा प्रकी
 हस ४ आत्म ५ गत्वा भिय गय क्रिया ग कि नू या ये निर्वान मू चवी दवी प्रीया इकां
 ॥ दक्षिण ग ॥ जं अय व मया प्र दू या नाम स्वी सी म सी म ली व म श यि व २ रु २ नः
 व २ मू वं डं डं डं डं डं डं विद्या गत्वा भिय गय क्लान ग कि य ना ये निर्व
 ल कालि दवी प्रीया इकां पू जयामि ॥ ॥ अय ग ॥ जं अं धु निव गत्वा भि
 य गय ०० क कि अय ना ये निर्वान व छि का ये प्रीया इकां ॥ ॥ गय प्रिकाः
 ल वा अ ॥ ॥ जं अ प्री ज या ये या इकां ॥ जं अ वि ज या ये या इकां ॥ जं अ प्री अ
 जि ता ये या इकां ॥ जं अ प्री अ य वा जि ता ये या इकां ॥ जं अ प्री उ र नी या इकां ॥ जं अ

प्री रं रु ली या इकां ॥ जं अ प्री मा रु ली या इकां ॥ जं अ प्री अ क र्ष ली या इकां ॥ जं अ प्री पू
 र्वा दि व्नी ग ना र्क ॥ ०० मि ज या दि ॥ ॥ ग ता रु द ल प य यू ज न ॥ जं अ अं
 अं अ सि ता ग रे व वा य अं व का य ली ग कि स हि ता य या इकां ॥ जं अ ०० ०० वू वू रु
 व वा य कं मा रु च वी ग कि स हि ता य या इकां ॥ जं अ उं उं व लु रु व वा य च को मा
 प्री ग कि स हि ता य या इकां ॥ जं अ अं अं वी ध रु व वा य व क वी ग कि स हि ता य
 या इकां ॥ जं अ ०० ०० उ न्म रु रु व वा य वं वा वा रु ग कि स हि ता य या इकां ॥ जं अ अं अं
 क पा ली रु व वा य यं ०० द्रा य ली ग कि स हि ता य या इकां ॥ जं अ उं उं उं रु व व रु
 व वा य गं म हा ल रु ग कि स हि ता य या इकां ॥ ०० नि अ रु य व यू ज न ॥ ॥

ता यथा ध्यायितुं न शक्यते तदा दद्यात् सदान् ४७ गुरु विधिवत्ति नाया सुवीचन्य वीया ॥
 साधु सिद्धयः सर्वश्रुतिविहितवलिगुणमन्त्रिकारम् ॥ ॐ जयं यं यं यं यं यं यं ४
 सर्वथा यागिनीया वलिगुण २ स्त्राहा ॥ विन्दुयं ॥ आवाहनादि ॥ दधुतर्जनीयं
 निमूजां दर्शयन् ॥ यं वलिम् ॥ ॥ ततः समयवलि ॥ ॐ जयं सर्वथा ॥ ॐ ययी ॥
 निष्ठाया यद्वाचमेव च कथायकं यस्मादाह मन्त्रदिक्कागर्गस्ति नायागिनीया गवीच
 ह्या सर्वतः समागता ॥ ॐ दयं सर्वमहायकः श्रीनाथः च यदा मम ॥ यरुह्यन्म
 नदवी सुव्यादावतनता ॥ सर्वसिद्धिप्रसादाय दवीतर्ग्यं रुच्यं तदा ॥ वाचा
 ॐ यागिनीनाथ यदि मन्त्रमहीतलं तदहं विवसायवी ॥ मया यन्मम

कः ॥ यतिरुमनः ४ यष्टिर्मात्मनः द्यास्ति जीवन् ॥ निहन्त यदुद्दृष्टानां यागिनी
 गनसंकुला ॥ कुरुनादिप्रसन्नानि इति मिलाइरावितान् ॥ निहन्त यं रुद्रः
 द्धानां यागिनी गणसंकुला ॥ ॐ कावादिप्रययी ॥ ॐ यः ४ सावायकीर्तिता ॥ ॐ
 यधी ॥ ॐ सीदाहादिनां सुविदिसूच ॥ महीयातालवक्रा ॥ ॐ सर्वस्तु नान्तव प्रय
 यागिनीया यागयुक्तात्मा ॥ मयतिरुति साधका ॥ ॐ वक्रमसूवीचन्या ४ मयति
 रुद्रवता ॥ सिद्धाय प्रयुक्तावाया साधकादिति सायिनः ४ नगववाथ ग्रामवा
 ग्रहवावा मनीषध ॥ वायी कृपकुरुकवाग्मसातमाह मलुल ॥ नानावूयधक
 न्यायिवनजा विविनिच ॥ तयि सर्वच मलुष्टा वलिगुणं सर्वतः ॥ गवलागता

हं नमो. सर्वयत्न लयद. यालव्ययत्नया कमयत्नविश्रमियत्न. वलिः
पृथपदाननसंयुक्तममचिन्तका. सर्वकम्मालि सिद्धिनु. सर्वदामायिना नया.
निवर्गकिप्रसादन ग्रीक कार्त्तनमाभ्यर्ह. नृतिमयवलिः॥
अथ अजयादिवलि. जं अजयव्यायकुरुष. नृगशरुक्तथेवच. नृदुमूर्ति
श्रद्धाश्र. उष्मा. उमयसुदन. समको. एककायश्र. लायादेकदृष्टकः
जवावतश्रुतायाश्र. डामधीयतथायन. अन्नको अर्थवाश्र. कमलाश्रमज
नन. गमसुखेवर्षणाश्र. दलनश्रुदधनकः॥ कृता नया जटासाको. मः
कावानिहृतः श्रव. रटं कयागिरुथायान. अतर्दधश्रमम. दधकलुमिता

कान्ता. सुदीपार्थवीनरुथा. कुरुवाधनद. श्रेव. नागकलुयवधवान्. दृक्
वावीनसिंहश्र. रुक्मटिकायराश्रव. युगन्तावारुव. श्रेव. वलयाश्रवत्सनि
रुथा. अश्रुकडुश्रुमजालाश्र. सुमाशाश्रुकाश्रुथा. कयानककसुयवाक. क
ग्रयालमूयादृता. यथासवर्षमूयाव. रुक्मश्रुकेययालकाः॥ गमवश्रुतिः
हीनानु. केययालवर्षदृशः॥ पकलिंगवर्षकाव. ममानवर्षयावहा. महाल
श्रीवमथाव. कालामूयश्रमत्सव. अकवृकेवटवार्थ. विशालवदनावसग. य
लानवाश्रुहावास. यमसुखेजलावधः॥ संगमरुविधावावा. यवर्तनमवर्तक
था. निर्वर्षव. गवकी. निधनमगिरुद्रकाः॥ वसकवर्षनाश्रुको. ऊरुवा

सुधेव ॥ धिगात्रीहस्तिनीयेव. जम्बुजीधूर्जटीसुधा ॥ विमरुक्तसर्वसिद्धि. उ
 छिन्नसुधेव ॥ हंकात्रीराखनीदीर्घा. धूम्राक्षीकलहयिया. ॥ मार्तण्डीकाकः
 छिद्य. तथाचयुववास्तक ॥ माजनीयावनादय. वकाक्षिविद्यवृद्धिनि ॥ रु
 र्यकनीबोदवीरुली. सुक्तांगीनवराजनी ॥ वीर्यदीपमहाकाली. कंकालीवि
 दमानना. ॥ कादवीरीमरुडाव. वायुवगाहयानना ॥ वक्रावतेश्वरीनेदी
 चर्चिकाणीश्वरीसुधा ॥ वावाहीनावसिहीय. निवद्वनीकुमारका ॥ ॐ दं दं दं
 महायात्रि. वलिगुप्तममदा ॥ योगिनीयागिनीयावलिगुप्त ॥ ॐ दं दं दं
 गयसर्वभागयगातिकवकनूदं यथधूयदीपनी ॥ ॐ दं दं दं

॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥
 हं हं हं हं हं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥
 जयजयजय ॥ महानासा. सुमुखीदुर्मुखीवला. ॥ ववेनीयथमाद्याना. सोः
 म्याहीमामहावला. ॥ जयाचविजयावेव. अजिमायायवाजिता. ॥ महाकटाः
 विदुयासी. सुक्ताकागमाहका. ॥ संहविवाहमावीय. चलीहसुक्तववेनी
 ॥ धिपिकायुयहानीय. अलनीलयहविका. ॥ रुद्रकालिसुरुडा. रुद्रहीमारु
 डिका. ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥
 अथमहावलि ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥ ॐ दं दं दं ॥
 म्याः तामिह नमहावलि ॥ तथेयानिह नविद्या. अमर्यवलिदरिणा. ॥ कंजाव

लीतिविद्याता. लहस्त्रिद्विप्रदायिका ॥ वैजकवर्णककामयूययूलविप्रसग
ताजालयी ॥ अथन्या. अक्षा ॥ मध्ययी ॥ द्विप्र ॥ गतयूतादवीरुष्टकलाला ॥
ज्वायासिद्धिया ॥ ग. यत्रवत्रितयत्रदुष्टयात्रीदुदवी ॥ यमर्हं गलल
वाकमलददवीनमामि ॥ १ ॥ याहृदिद्यात्तत्रिकदगदिगदुवनसुफयाताल
मूलकशायि ॥ अथयि ॥ विप्रमयुय ॥ मलकवाग्मगात्र ॥ सिंधुतीवकदकड
दक्षिरुष्टधूर्मकालावतात्र. कालार्थयूलुगियमाहयुत्रयत्रडादियानयध
न ॥ यालाखीयागमूयकलयतिनगत्र. कामयूयध्वयूय. उऊन्याजिह्वाभयदूय
गह्वत्रवा. लालद ॥ गयद ॥ ॥ श्रीलेल्यानिजाते. ययुयतिनिलय. दमविद्याचलव

श्रीमन्मन्त्रविषयमन्त्रयद् यत्तत्तत्किनीयाकिनीनां । काभीवचान्दधलय
 विलमलयथवक्रवाहकलूतं । श्रीवाञ्छुहृदकदण्डलसिमिबजयसिंवकः
 उठहाल । कालागिर्यादिषीकाटहिमगिलिसिधवकाधिजालंधलवा । सोवाष्ट
 मध्यदण्डुनयूनववकागलवाकलीग ॥ काष्ठिकांकनवामगधयूनवन
 कन्यककुलिताम्बा । वाक्कुभदंगवाहहिमवजयमलयारुवमववास्थ ॥ अस्याः
 हमाहवजः । मूलिगलनिलयधियलीडुदण्ड । वामनयूक्तवास्थगिलिकुहवय
 कं । अम्बदण्डनाथ । अंगारुहीमनादनिवयूननगनः । मूडकुठजयन्त्या । श्रीः
 धिवास्थककुठयवनगिनिगट उदकैरेमूलका । वावागस्थविगलजियमूः

नित्य० विजिनी चतुर्थास्तथास्तु ननु गणवद्विमतलखप्रखटसिंह॥
 मांहावयुर्वद० गजिबुवनविवनदकृष्टाकनृसिंह० मुद्गाहमास्तदवायगिनि
 गटसिंहहावयुवद० काकावद्विष्टकृष्टमथमथनयुवप्रदमांनवक० ८० मः
 कृकमकृमास्तमलयगिनिबुद्धवक्त्रवाक्त्रयुवद० ॥ रुद्रांगमूलकृष्टयुयगिनि
 लयसिंहक० ८० गण० क० विमानव्यामम० ८० सवसविगतट० गदलालसुलसू
 ॥ यागिजा० ८० ८० जावविविधवधनतां मातवा० ८० सुसर्वा० ८० सासिद्धासुसिद्धाः
 विविधवधनतादिवददु० ॥ खप्रवामकृष्टिद्यवयुवदयमनखगतिनोवनव
 गजुर्गुर्विष्टगं जलिलिगजयं रुद्रनसर्वविद्या० दीर्घायुर्वकविलनिधिव

मयुटिकायाइकाकामसिद्धि० ॥ सर्वभगद्वदु० अलिधिसितवतां रुद्रवमायि
 युका० ॥ इष्टाशीविमाविष्टगगविलविष्टत्यागयथवावाजदावजलोचवि
 यटजदुरुयवाधिरावर्मम० ॥ ८० कृष्टकावयनीरुद्ररुद्ररुद्रसितावयुयनी
 धिवकिन्त्यकिमकुमाजाकिलिमिलिविकिलाकीलिराधागिवनि ॥ सासुका
 कावयुयायवयुष्टहाहाकावनाद० उलिष्टानीलक० ८० अमवयुद्धदयावि
 इमांनवमका० ८० ८० कावयकिनववधिवव० ॥ स्वायमासलाद्यान० ॥ जिद्ध
 वलालयनीललललललनादावयकिधिवनि ॥ कृष्टकासाखदुतां अमवग
 गनूताविन्दमायकलातां सिद्धातां सिद्धिदासायवमयवकलाववितावगमन

[illegible][illegible]

दहिहं हाकिनेयाइकां वलिं टुद्र २ खाहा ॥ ३ ॥ जे जे जी प्री म्या या या पू य या यं ४ हूं
 या किनेनी कं व क २ सर्व सख वगं कनी आह्ला सिद्धि क ५ वी अया व जी य न
 नया व दू धा व नू य दू आ अया व अमा य व न द जी म माह्ला द हियं या किनी या इ
 कां वलिं टुद्र २ खाहा ॥ १ ॥ ॥ नृ निष टु जा किनी प मूल वलि ॥
 हा क र्यं व वलि न धून की ॥ आवाह ना दि व न्द ना क न य र्थ मां ग्या ग्या म्म जी द र्ग
 य न ॥ नमः ४ प्री ना था य ॥ नमः ४ प्री सिद्धि ना था य ॥ विन्दु य र्थ ॥ ३ ॥ जे जे म्या प्री
 य धि म ज जी अ अ म्या य म हा मा या प्री कृ जि का थ यो नृ द न व र्थ न ५ म
 ४ ॥ ॥ धू य ॥ अ य नि य सु नि चै व क र्त्त व नृ ग ना र्थ यो ४ धू य वा ५ म

य सर्व मां धू या र्थ य नि टु क र्ता ॥ ॥ दी य ॥ जे अ स्र य का ग म हा दी य सर्व
 ज नि मि या य र्थ ॥ स वा क्रा य न व अ म ति दी या र्थ य नि टु क र्ता ॥ ॥ नै व य ॥
 जे अ अ न्न म हा व र्थ दि र्थ व र्थ म हि स म वि र्ग ५ अ ह नै व या दि र्थ द र्थ टु हान
 य व म य व ४ ॥ ॥ रु ल ना वृ ल ॥ जे अ रु ल ४ रु लानि गा म्वा ल ॥ ॥ कृ क ला स्र स
 र्थ स ४ ॥ अ स्र ज ठि म्म जा म्बी र्थ रु ल वै व य टु क र्ता ॥ ॥ रु द रु ल य र्थ ना वृ ल धू य दी
 य नै व र्थ नमः ४ ॥ ॥ जा य ॥ क र्त्त क ३ ॥ व दू क ॥ प्री जी ३ ॥ ग १ ॥ ॥ लो ३ ॥ जे अ
 प्री ३ म्मी ३ मूल स ॥ म लु ल स वा वा य ॥ म्मा ॥ जे अ प्री र्थ व र्त्ता ॥ वि द व ॥ म हा मा
 ल या ल ॥ ॥ रु का ना ॥ म ॥ धि र्थ ॥ व क्रा य ती क र्त्त व न्द ॥ म प्र म्मा ॥ म्मा मा व र्त्ता

ग्रीवामाद्यलामामिविद्यजननीयलपत्रासिद्धिदा ॥ ॥

अथात्मायात्रादकनारिककः ॥ ॥ उवाचानुहयादाहसकमलकुजावाद्य
वप्रात्यलिर्गं वायावृष्टिजिनारुणतिसकलकलाविन्दुनादधस्तो निर्जित
गंगवृक्षवाप्रशयवमकलारुववामरुमूर्तिपायाधवानवात्मासकलरु
यहवर्तुवर्तुप्रीकजर्ग ॥ ॥ थवताचन्दन ॥ ॥ ॐ ॥

यविर्जयायनागर्ग ॥ ॥ अथदाहवर्तुनित्यलक्ष्मीधसगिसर्वदा ॥ सिद्धुन ॥
ॐ ॥ ॥ स्यामजयमाप्राप्ति सिद्धुन ॥
दृष्टिदायक ॥ ॥ माहनी ॥ कृष्णवृषत्यवृष ॥ ॐ लाक्ष्मीमाहकावकः ॥ अथ

कर्णललावाय माहर्णरुमयाम्यह ॥ ॥ ॐ ॥ अथयुवगर्गयवर्तुगवती
येतत्यवृषात्मका क्लानकावकलागथाहविहवावक्रामवीविषय ॥ ॥ रासुके
ववयवर्कननगर्गप्रीयागिनीयवर्कचन्द्रा मवीविषयममलमायाहनि
त्यकजा ॥ ॐ निष्कृय ॥ दवविमर्जन ॥ गच्छ ॥ मूवप्रष्ट स्वस्वकनगर्गलय ॥
वक ॥ मरुणानि यूनवाविजयायव ॥ अथुलविमर्जन ॥ ददयनआत्मली
न ॥ ॥ ॐ निवलिविमर्जन ॥ ॥ ॐ निप्रीयष्टिमंजुष्टिष्ट आत्मायष्ट
ष्टाविगतिवमर्जनसमाप्त ॥ ॥ ग्रीवानीगर्गवप्रीका ॥ ॥



